Page Three

Classified

Adds can be booked under these Categories : (all day publication)

Recruitment
Property
Business Opportunity
Vehicles
Announcements
Antiques & Collectables
Barter
Books
Computers
Domain Names
Education
Miscellaneous
Entertainment & Event
Hobbies & Interests
Services
Jewellery & Watches
Music
Obituary
Pets & Animals
Retail
Sales & Bargains
Health & Sports
Travel

Matrimonial (Sunday Only)

अब मात्र रु. 20 प्रति शब्द

आज भी आपदा का दर्द सहने को मजबूर है आपदा प्रभावित

आपदा का दर्द

1994 से लेकर अब तक चार सौ से ज्यादा तक आपदा की चपेट में अपना सब कुछ गवां बैठे

निर्मल भट्ट। विशेष रिपोर्ट।

पिथौरागढ़। सीमांत के आपदा प्रभावित आज भी आपदा का दर्द सहने को खासे मजबूर है। जहां एक ओर शासन–प्रशासन सीमांत के आपदा प्रभावितों को राहत दिलाने के भले ही खासे दावे कर रहा हो। तो वही आलम यह है कि आज भी पीड़ितों का दर्द कम नही होते दिख रहा है। सीमांत में आपदा प्रभावित आज भी मानसून काल शुरू होते ही पीड़ितों का दर्द और भी ज्यादा बढ़ना शुरू हो जाता है।

जानकारी के मुताबिक बीते साल 1994 से लेकर अब तक सीमांत में चार सौ से ज्यादा तक आपदा की चपेट में अपना सब कुछ गवां बैठे है। बता दें कि सीमांत के आपदा प्रभावित क्षेत्रों में आपदा काल सीमांत के वांशिदों के लिए काल का कहर बनकर बरपा है। आज भी हालात यह है कि सीमांत के आपदा प्रभावित बीते सालों में हुई आपदा की भयावह घटनाओं का आलम नही भूल पाये है।

गतवर्ष के आंकडे भी पीड़ितों के दर्द को और भी ज्यादा बढ़ाने को मजबूर कर रहे है। साल 1994 में सीमांत के आपदा प्रभावित गांव रीठा रैतोली में उनीस लोग आपदा के कहर में समा गये थे। साल 1998 में मालपा में भीषण आपदा आई जिसमें कैलाश मानसरोवर तीर्थ यात्रियों के साथ दौ सौ पचास से ज्यादा लोग आपदा का ग्रास बने। साल 2007 में बरम के स्यांकुरी गांव में तैतालीस लोग आपदा की चपेट में समा गये। दूसरी ओर बीते साल 2009 में ला झेकला में आई भीषण आपदा में मौके पर तैतालीस परिवारों ने अपनी जान गवां दी। वही सीमांत के मुंसयारी व धाराचूला में बीते साल 2010 में दस परिवारों की मौके पर आपदा ने सांसें लीन ली। साल 2013 में फिर मुंसयाारी व धारचूला में आपदा ने जमकर कहर बरपाया जिसमें करीबन तेईस परिवारों की मौके पर मौत हो गई। और इक्कीस लोग लापता हो गये। बयालीस परिवार घायल हो गये। साल 2014 में धारचूला मुंसयारी में आपदा के दौरान बारह लोग मौत के आगोश में समा गये।

साल 2015 में फिर सीमांत के धारचूला व मुंसयारी में आपदा का कहर बरपा जिसमें नौ लोगों की मौत हुई और तीन लोग घायल भी हो गये थे। साल 2016 में सीमांत के बस्तडी व नौलडा मं आई भीषण आपदा में तीस लागों की मौत हो गई। पांच लोग घायल भी हुए। साल 2020 में सीमांत के टांगा मेंग्यारह व धामीगांव में दो–दो लोग भीणण आपदा की चपेट में समा गये। हर साल सीमांत में आपदा की घटनाएं होती रहती है। वही ऐसे में सीमांत के आपदा प्रभावित आज भी आपदा के दर्द से कराह रहे है। वही शासन प्रशासन द्वारा इन्हें महज राहत देने के नाम पर छला गया है।

न्यूज डायरी

गुरु का किया पूजन, राष्ट्र कल्याण के लिए हुआ यज्ञ

संवाददाता रुड़की। शिक्षानगरी में गुरु पूर्णिमा का पर्व श्रद्धापूर्वक और उत्साह के साथ मनाया गया। शहर में मंदिरों व धार्मिक केंद्रों में गुरु पूजन किया गया। साथ ही, गुरु के महत्व पर प्रकाश डालते हुए माता–पिता का सम्मान करने की सीख दी गई। पुरानी तहसील स्थित महर्षि पाराशर ज्योतिष गुरुकुलम में शुक्रवार को गुरु पूर्णिमा का पर्व धूमधाम से मनाया गया। धर्माचार्य पंडित रमेश सेमवाल ने कहा कि गुरु शिष्य परंपरा भारतीय संस्कृति व धर्म के मूल में है। हमें अपने गुरु और माता–पिता का सम्मान करना चाहिए। उन्होंने कहा कि युवाओं को भारतीय संस्कृति को अपनाना चाहिए। इस दौरान राष्ट्र कल्याण के लिए विशेष यज्ञ भी किया गया। कार्यक्रम में नगर विधायक प्रदीप बत्रा, महापौर गौरव गोयल, डा. कल्पना सैनी, सुलक्षणा सेमवाल, पूनम सिंह, प्रदीप वधावन, इंद्रमणि सेमवाल, नरेश सेमवाल, संदीप शास्त्री, मुकेश शास्त्री उपस्थित रहे।

बागेश्वर में आंदोलनों की लगी झड़ी

संवाददाता बागेश्वर। जिले में आंदोलनों का दौर शुक्रवार को भी चलता रहा। पर्यावरण मित्रों ने पालिका परिसर पर धरना दिया। सकीड़ा के ग्रामीण सड़क की मांग को लेकर कलक्ट्रेट परिसर पर धरने पर बैठे। जिला पंचायत की अनियमितताओं की जांच को लेकर सदस्यों ने हुंकार भरी। वहीं, जिला सैनिक कल्याण बोर्ड के कर्मचारी भी धरने पर बैठ गए हैं। उन्होंने मांगें पूरी होने तक आंदोलन जारी रखने का एलान किया है। पर्यावरण मित्रों की हड़ताल से नगर कूड़े के ढेर में तब्दील होता जा रहा है। दुर्गंध भी अब लोगों को परेशान करने लगी है। यदि हड़ताल जल्द समाप्त नहीं हुई तो संक्रामक रोगों के फैलने का भय बनेगा। पर्यावरण मित्रों ने पालिका परिसर पर धरना दिया और 11 सूत्रीय मांगों का निराकरण करने की मांग की।

फोर्ड इंडिया ने अपनी फ्लैगशिप हैचबैक फीगो के दो ऑटोमैटिक वैरिएंट प्रस्तुत किए

संवाददाता देहरादून। ग्राहकों के लिए अपनी प्रतिबद्धता को मजबूत करते हुए आज फोर्ड इंडिया ने अपनी फ्लैगशिप हैचबैक, फीगो के दो नए ऑटोमैटिक वैरिएंट प्रस्तुत किए टाईटेनियम एवं टाईटेनियम़ क्रमशः 7.75 लाख रु. और 8.20 लाख रु. के मूल्य में उपलब्ध नई फीगो एटी सेगमेंट में सर्वश्रेष्ठ सिक्स–स्पीड, टॉर्क कन्वर्टर ऑटोमैटिक ट्रांसमिशन प्रस्तुत करती है, जो भारत स्टेज 6 कंप्लायंट थ्री–सिलेंडर 1.2लीटर पेट्रोल इंजन के साथ आता है नए वैरिएंट, बेहतर वैल्यू फॉर मनी के साथ कंपैक्ट कार सेगमेंट में परफॉर्मेंस लीडर बने हुए हैं और 96 पीएस पॉवर एवं 119 एनएम पीक टॉर्क उत्पन्न करते हैं। विनय रैना, एक्जिक्यूटिव डायरेक्टर, मार्केटिंग, सेल्स एवं सर्विस, फोर्ड इंडिया ने कहा, ''फोर्ड भारत में ग्राहकों को सेवा देने के लिए प्रतिबद्ध है।

पूर्व कैबिनेट मंत्री ने ठुकराया कांग्रेस घोषणा पत्र समिति का अध्यक्ष पद

संवाददाता देहरादून। प्रदेश कांग्रेस में हालिया बदलाव से पार्टी के भीतर असंतोष सतह पर भी दिखने लगा है। पूर्व कैबिनेट मंत्री एवं वरिष्ठ कांग्रेस नेता नवप्रभात ने मेनिफेस्टो कमेटी के अध्यक्ष पद की जिम्मेदारी लेने से इन्कार कर दिया। उन्होंने प्रदेश प्रभारी देवेंद्र यादव को दूरभाष पर इसकी जानकारी भी दी। नवप्रभात संगठन में हालिया बदलाव से नाखुश हैं। कांग्रेस हाईकमान ने बीते रोज प्रदेश कांग्रेस संगठन में बड़ा बदलाव करते हुए प्रीतम सिंह को प्रदेश अध्यक्ष पद से हटाकर नेता प्रतिपक्ष की नई जिम्मेदारी सौंपी। प्रदेश अध्यक्ष गणेश गोदियाल के साथ चार कार्यकारी अध्यक्ष भी बनाए गए हैं।

पार्टी ने साथ में 10 कमेटी भी गठित की हैं। इनमें से एक मेनिफेस्टो कमेटी का अध्यक्ष पूर्व मंत्री नवप्रभात को बनाया गया है। इसके अतिरिक्त उन्हें कोर कमेटी में बतौर सदस्य शामिल किया गया है। पार्टी के इस फैसले से नाखुश नवप्रभात ने शुक्रवार सुबह नई जिम्मेदारी लेने से इन्कार कर दिया।

नवप्रभात ने कहा कि प्रदेश में जिसके नेतृत्व में चुनाव लड़ा जाना है, मेनिफेस्टो कमेटी की जिम्मेदारी तय करने का अधिकार भी उन्हें ही होना चाहिए। उन्होंने अपने फैसले की जानकारी प्रदेश प्रभारी देवेंद्र यादव को भी दूरभाष पर दी। वरिष्ठ कांग्रेस नेता नवप्रभात छोटे राज्य में पांच अध्यक्ष बनाने के फैसले से नाखुश नजर आ रहे हैं। उनके नजदीकी सूत्रों की मानें तो पार्टी के इस फैसले को वह खींचतान बढ़ने के तौर पर देख रहे हैं।

जल्द पूरे किए जाएंगे अधूरे और बाधित कामः महाराज

संवाददाता पाटीसैंण। लोक निर्माण, पर्यटन व सिचाई मंत्री सतपाल महाराज ने कहा कि प्रदेश सरकार पर्वतीय क्षेत्रों के बेहतर विकास को लेकर कार्य कर रही है। गांव–गांव को सड़क से जोड़ा जा रहा है। उन्होंने कहा कि जल्द ही अधूरे और बाधित कार्यों को भी पूरा किया जाएगा। इस दौरान उन्होंने विभिन्न मार्गों का शिलान्यास भी किया। उन्होंने कहा कि चौबट्टाखाल विधानसभा के लिए व्यास घाट नजदीकी रेलवे स्टेशन होगा। शुक्रवार को पाटीसैंण में कार्यक्रम का आयोजन किया गया। मुख्य अतिथि काबीना मंत्री सतपाल महाराज ने कहा कि ग्रामीण क्षेत्रों में मूलभूत सुविधाओं को बेहतर बनाने का कार्य किया जा रहा है। गांव–गांव सड़क पहुंचने के बाद ग्रामीणों को कई सुविधाएं मिलेगी। काबीना मंत्री ने तछवाड़–एकेश्वर मोटर मार्ग के सुधारीकरण व डामरीकरण का शिलान्यास किया।

हरिद्वार आने पर श्रद्धालुओं को आरटी पीसीआर की निगेटिव रिपोर्ट दिखानी होगी

संवाददाता हरिद्वार। गुरु पूर्णिमा पर धर्मनगरी में गुरुओं की पूजाकर उनसे आशीर्वाद लेने आने वाले श्रद्धालुओं को जिले के बार्डर पर आरटी पीसीआर की निगेटिव रिपोर्ट दिखानी होगी। वहीं, हरिद्वार में अगर श्रद्धालुओं की संख्या बढ़ती है तो उन्हें बार्डर से ही लौटाया जाएगा। बता दें कि यहां स्नान की अनुमति नहीं होगी। कांवड़ मेला स्थगित होने के बाद जिले के बार्डर पर सख्ती बढ़ा दी गई है। इसके साथ ही 24 जुलाई को गुरु पूर्णिमा का अवसर भी है। वहीं 25 जुलाई से श्रावण मास भी शुरू हो रहा है। देश के अलग–अलग कोनों में बसे भक्त गुरु पूर्णिमा पर अपने गुरु का पूजन करने के लिए धर्मनगरी आते हैं। इसके साथ ही लोग

बाहरी राज्यों और जिलों को टैंकर से दिया जाएगा गंगाजल

गंगा में स्नान भी करेंगे। ऐसे में इस बार गुरु पूर्णिमा पर गुरुओं से आशीर्वाद देने आने वाले भक्तों को हरिद्वार आने से पहले बार्डर पर ही आरटी पीसीआर निगेटिव रिपोर्ट दिखाकर आना होगा।

वहीं, पोर्टल पर रजिस्ट्रेशन भी कराना होगा। यदि बार्डर पर श्रद्धालुओं की भीड़ बढ़ती है तो पुलिस सख्ती करते हुए उन्हें बार्डर से ही लौटा देगी। हरकी पैड़ी पर भी पुलिस सख्ती करेगी। भीड़ को अलग–अलग घाटों पर भेजा जाएगा, ताकि शारीरिक दूरी व अन्य नियमों का पालन हो सके। एसएसपी सेंथिल अवूदई कृष्णदराज एस ने बताया कि गुरु पूर्णिमा को लेकर बार्डर पर सख्ती की जाएगी। श्रावण मास में कांवड़ यात्रा के स्थगन के बाद बाहरी राज्यों व जिलों के निवासियों की धार्मिक परंपराओं के पालन को हरिद्वार से उनकी आवश्यकता के मुताबिक टैंकर के माध्यम से गंगाजल भेजा जाएगा। जिलाधिकारी हरिद्वार सी रविशंकर ने बताया कि राज्य सरकार ने कांवड़ मेला–2021 के दृष्टिगत कांवड़ यात्रियों की सुविधा को यह निर्देश दिया है। सहारनपुर, मुजफ्फरनगर, बिजनौर, मेरठ, यमुनानगर, करनाल में टैंकरों के माध्यम से गंगाजल उपलब्ध कराया जाएगा। उपरोक्त सभी जगहों के जिला मजिस्ट्रेट, उपायुक्त से गंगाजल वितरित किए जाने के लिए स्थान और गंगाजल की जरूरत बताने का आग्रह किया गया है।

ग्रामीणों ने की शीघ्र मोटर मार्ग खोलने की मांग

संवाददाता पुरोला। विकासखंड मोरी के गोविंद वन्य जीव विहार का सांकरी तालुका वन मोटर मार्ग भारी बारिश से घियागाड में पुलिया बहने के कारण क्षेत्र के चार गाँव के ग्रामीणों को भारी परेशानी का सामना करना पड़ रहा है । ग्रामीणों ने शीघ्र मोटर मार्ग खोलने की मांग की है। सांकरी तालुका मोटर मार्ग गत एक सप्ताह से घियागाड में पुल बहने के कारण बंद पड़ा हुआ है जिससे क्षेत्र के ओसला, ढाटमीर, पवाणी एवं गंगाड़ के ग्रामीणों को भारी परेशानी का सामना करना पड़ रहा है। ओसला गाँव निवासी बरदान सिंह राणा ने बताया कि मोटर मार्ग के बंद होने के कारण ग्रामीण तालुका से सांकरी पैदल सफर कर रहे है तथा ग्रामीण पीठ पर सांकरी से खाधान ढो रहे है। उन्होंने बताया कि इस संबंध में गोविंद वन्य जीव विहार के अधिकारियों को अवगत करा दिया गया है। उप निदेशक डीपी बलूनी ने बताया कि घियागाड में गत वर्ष लकड़ी का पुल बनाया गया था लेकिन भारी बरसात के कारण पुल बह गया है। उन्होने कहा कि घियागाड में शीघ्र वैकल्पिक व्यवस्था की जा रही है।